बुधवार

09 जुलाई 2025

- देहरादून
- वर्ष 33
- अंक 154
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

33 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

खूनी संघर्ष में एक की मौत, कई घायल

❑गांव में भारी पुलिस बल तैनात

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। ईंट से भरे वाहन को रास्ता देने के विवाद में दो पक्ष आमने-सामने आ गए। लाठी-डंडों से लैस लोगों ने एक-दूसरे पर हमला बोल दिया, जिसमें एक युवक की मौत हो गई, जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हुए है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर मृतक व घायलों को अस्पताल पहुंचाया वहीं घटना के बाद गांव में बढ़ते तनाव को देखते हुए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

मामला सिविल लाइन कोतवाली क्षेत्र के जौरासी जबरदस्त गांव का है। यहां मामूली कहासुनी ने देखते ही देखते खूनी संघर्ष का रूप ले लिया। जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गयी वहीं चार लोग गम्भीर रूप से घायल हुए है। जानकारी के अनुसार आज सुबह अनीश पुत्र मंजूर, उसके बेटे सलमान और सोहेल पुत्र अनीश अपने वाहन में ईंट भरकर जौरासी जबरदस्त गांव से हरिद्वार की ओर जा रहे थे। बताया जा रहा है कि गांव के अंतिम छोर पर सामने से आ रही बाइक को लेकर उनका जैद पुत्र इस्लाम और उसके साथियों से विवाद हो गया। बात इतनी बढ़ी कि देखते ही देखते दोनों पक्षों के लोग मौके पर पहुंच गए और मारपीट शुरू हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुछ लोगों द्वारा हवाई फायरिंग भी की गई। इस बीच बीच-बचाव करने पहुंचे मोहर्रम अली पुत्र मोहम्मद अली पर कुछ लोगो ने धारदार हथियार से हमला कर दिया गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हमले में अनीश उसका पुत्र सलमान, खुशनसीब पुत्र अनीश और वकील पुत्र जमील अहमद भी घायल हुए हैं। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर

घायलों को 108 एंबुलेंस की मदद से रुड़की सिविल अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मोहर्रम अली को मृत घोषित कर दिया। वहीं, अनीश, सलमान और वकील की हालत नाजुक होने पर उन्हें हायर सेंटर रेफर किया गया, जबकि खुशनसीब को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं पुलिस ने गांव में तनाव को देखते हुए वहां भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया। बताया जा रहा है कि मोहर्रम अली सिर्फ झगड़ा शांत कराने गया था, लेकिन इसी दौरान उस पर जानलेवा हमला कर दिया गया। मृतक अपने पीछे चार छोटे बच्चों और परिजनों को बेसहारा छोड़ गया है। उसका सबसे बड़ा बेटा मात्र आठ साल का है। परिवार के एकमात्र कमाऊ सदस्य की मौत से परिजन सदमे में हैं। पीड़ित पक्ष ने पुलिस को तहरीर सौंप दी है। मृतक का पोस्टमार्टम सिविल अस्पताल में किया जा रहा है। एसपी देहात शेखर सुयाल ने बताया कि मामूली बात को लेकर दो पक्षों में विवाद हुआ था। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर हालात को संभाला। तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है और पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जाएगी।

सतर्कता व जीएसटी विभाग में नए पदों के सृजन को मंजूरी

❑कैबिनेट की बैठक में हुए 6 फैसले, पुत्र के 18 वर्ष का होने पर भी मिलेगी पेंशन

विशेष संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में आज हुई कैबिनेट बैठक में खनन नीति से जुड़े अहम फैसले के साथ 6 प्रस्तावों को अपनी मंजूरी दे दी गई है।

सचिवालय में हुई आज कैबिनेट की बैठक में जियोथर्मल नीति को सरकार ने अपनी मंजूरी प्रदान कर दी वहीं राज्य के पुलों की क्षमता बढ़ाने के लिए प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट बनाने पर अपनी सहमति प्रदान कर दी गई है। उल्लेखनीय है कि

राज्य की नदियों और नालों-खालो पर बनने वाले पुलों की वहनीय क्षमता इतनी कम है कि अधिकांश पुलों पर एक तरफ से ही वाहनों की आवाजाही संभव होती है जिसके कारण एक तरफ के ट्रैफिक को रोकना पड़ता है। पुलों की क्षमता बढ़ाने के लिए प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट बनाने का प्रस्ताव कैबिनेट में लाया गया था जिसे आज कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है।

इसके अलावा आज जीएसटी विभाग के ढांचे को मजबूत बनाने के लिए पदों की संख्या बढ़ाने पर भी सहमति दे दी गई तथा सतर्कता विभाग के ढांचे में भी 20 नये पद सृजित करने पर मोहर लगा दी गई। राज्य में नये खनिजों के खनन के लिए जिला और प्रदेश स्तर पर खनन न्यास बनाने पर सहमति जताई गई। आज की कैबिनेट में 6 अहम फैसले लिए गए जिसमें एक अन्य महत्वपूर्ण फैसला यह भी शामिल है जिसके अनुसार राज्य के लोगों को मिलने वाली वृद्धावस्था पेंशन को पुत्र की 18 वर्ष की आयु पूरी होने पर बंद करने के फैसले को भी समाप्त कर दिया गया है पुत्र के 18 वर्ष की आयु पूरी होने पर भी अब वृद्धावस्था पेंशन को जारी रखा जाएगा। इस फैसले पर आज कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है।

दून वैली मेल

संपादकीय

डेमोग्राफी चेंज बड़ा मुद्दा

उत्तराखंड की राजनीति में अब डेमोग्राफी चेंज एक ऐसा बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन चुका है या फिर आप यह भी कह सकते हैं कि बना दिया गया है कि सत्तारूढ़ भाजपा जैसे दलों को यह मुद्दा सत्ता की चाबी लगने लगा है। इस मुद्दे को लेकर दो बातों को समझना जरूरी है। पहली बात यह है कि क्या वास्तव में कोई बहुत बड़ा डेमोग्राफिक चेंज हुआ है या हो रहा है? और दूसरा सवाल यह है कि क्या इसे रोकने के लिए उठाए जा रहे कदम सही है। राज्य की वर्तमान भाजपा सरकार धर्मांतरण कानून और नए भू-कानून को अपनी बड़ी उपलब्धियों में शुमार करती है। सरकार द्वारा राज्य में हो रहे अवैध अतिक्रमण को हटाने और धार्मिक संरचनाओं पर बुलडोजर चलाने का अभियान लंबे समय से चलाया जा रहा है मजारों पर रोज बुलडोजर चलाये जा रहे हैं तथा मदरसों के खिलाफ सीलिंग की कार्यवाही भी पूरे प्रदेश में चल रही है। सवाल यह है कि क्या धार्मिक संरचनाएं व अवैध मदरसे ही इस डेमोग्राफिक चेंज का अहम कारण है। या फिर अवैध रूप से बसने वाली बस्तियां भी इसका कारण है। पूरे राज्य में अवैध बस्तियों की उत्पत्ति कोई एक दिन में नहीं हुई है। भले ही इनकी संख्या कम रही हो लेकिन राज्य गठन से पूर्व भी राज्य में सैकड़ो अवैध बस्तियां थी खास बात यह है कि इन बस्तियों को बसाने वाले भी नेता ही थे और इन बस्तियों तक बिजली-पानी व सड़कों जैसी सुविधाएं पहुंचाने वाले भी नेता ही थे। इन अवैध बस्तियों के नियमितिकरण को लेकर बीते दो दशकों से जो राजनीति हो रही है वह किसी से भी छिपी नहीं है लेकिन इस समस्या का कोई समाधान न आज तक हुआ है और न होगा। क्योंकि यह मुद्दा वोट से जुड़ा हुआ है ठीक वैसे ही अब डेमोग्राफिक चेंज का मुद्दा भी वोट से जुड़ चुका है। अभी 2 दिन पूर्व सीएम धामी का एक बयान आया था जिसमें उन्होंने कहा था कि मैं राज्य की डेमोग्राफी को चेंज नहीं होने दूंगा इसके साथ ही उन्होंने राज्य की जनता से यह भी अपील की थी कि इसके लिए उन्हें राज्य के लोगों के सहयोग की जरूरत है। बीते कल प्रेस क्लब में एक पत्रकार वार्ता में शिव प्रसाद सेमवाल द्वारा अधोईवाला में 200 बीघा वन भूमि पर सैकड़ो अवैध निर्माण और कब्जे होने का मुद्दा उठाया गया। इससे पहले अभी तपोवन के खलंगा क्षेत्र में एक अवैध रिजॉर्ट निर्माण का मामला सामने आया था जिसे कुछ युवा नेताओं के विरोध के बाद रोका गया। सवाल यह है क्या इन अवैध कब्जों से राज्य की डेमोग्राफी पर कोई प्रभाव नहीं पड़ रहा है? इन अवैध बस्तियों को सरकारी और वन भूमि पर कौन बसा रहा है और क्यों बसा रहा है राजधानी में सरकार की नाक के नीचे होने वाले इन अवैध कब्जों पर कभी शासन-प्रशासन की नजर क्यों नहीं जाती है? दरअसल डेमोग्राफी चेंज को सिर्फ हिंदू-मुस्लिम के चश्मे से ही देखा जाता है। यही कारण है कि हमारे नेताओं का ध्यान अवैध अतिक्रमण पर कम डेमोग्राफी चेंज पर ज्यादा है। रही बात अवैध अतिक्रमण और जमीनों की लूटपाट की तो बीते 20 सालों में जितने व्यापक स्तर पर यह खेल होता रहा है अब कुछ बचा नहीं है। अब तो स्थिति 'अब पछताये होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत' जैसी ही है। राज्य में सैकड़ो सालों से जैसे पहले देश के कोने-कोने से लोग आकर बस गए यह क्रम हमेशा जारी रहेगा। फर्क इतना भर आया है कि अब किसे उत्तराखंड में बसने दिया जाएगा और किसे नहीं।

वायु सेना का फाइटर जेट क्रैश, 2 की मौत

हमारे संवाददाता

जयपुर। चुरू के रतनगढ़ में एयरफोर्स का फाइटर जेट क्रैश हो गया। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई वहीं घटनास्थल पर फाइटर जेट का मलबा बिखरा पड़ा हुआ है।

राजस्थान के चुरू में भारतीय वायु सेना का फाइटर जेट क्रैश हो गया है। मीडिया सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार यह जगुआर फाइटर जेट है। इस हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई है। मौके पर फाइटर जेट का मलबा बिखरा पड़ा है।

चूरू एसपी जय यादव ने बताया कि राजलदेसर थाना क्षेत्र के गांव भाणूदा में प्लेन क्रैश हुआ है। इसमें दो लोगों की मौत हुई है। मौके पर राजलदेसर पुलिस को भेजा गया हैं। मलबे के पास से बुरी तरह क्षत-विक्षत शव के टुकड़े मिले है।

उत्तराखंड संयुक्त ट्रेड यूनियंस संघर्ष समिति की हड़ताल का रहा व्यापक असर

संवाददाता

देहरादून। केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर उत्तराखंड संयुक्त ट्रेड यूनियंस संघर्ष समिति द्वारा आयोजित हड़ताल का व्यापक असर रहा।

आज यहां केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर उत्तराखंड संयुक्त ट्रेड यूनियंस संघर्ष समिति द्वारा आयोजित हड़ताल का व्यापक असर रहा। इस अवसर पर सीटू, इंटक, एटक, बैंक, बीमा, आशा, आंगनवाड़ी, भोजन माताओं, बिजली, संविदा कर्मचारी, ठेका कर्मचारियों, बस्ती बचाओ आंदोलन सहित अन्य कई संगठनों ने हड़ताल में भागेदारी की। इस अवसर पर श्रमिक संगठन गांधी पार्क में इकठ्ठा हुए और सभा कि इस अवसर पर इंटक के प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व कैबिनेट मंत्री हीरा सिंह बिष्ट ने संबोधित करते हुए केंद्र की मोदी सरकार की श्रम विरोधी नीतियों के खिलाफ एक जुट हो कर संघर्ष करने का आह्वान किया। उन्होंने चार श्रम संहिताओं को रद्द करने की मांग की। इस अवसर पर सीटू के प्रांतीय अध्यक्ष राजेंद्र सिंह नेगी ने कहा कि मोदी व धामी सरकार की श्रमिक विरोधी नीतियों को लागू नहीं होने देंगे इन नीतियों से श्रमिक वर्ग गुलामी के अंधेरे में धकेल दिया जाएगा जिसका पूरे देश का मजदूर हड़ताल पर है। सीटू के प्रांतीय सचिव लेखराज ने कहा कि सरकार को श्रम संहिताओं को रद्द कर श्रम कानूनों को ओर अधिक प्रभावशाली बनाए जाने चाहिए किन्तु ये सरकार इसके उल्ट कर रही है। सन 2020 में जब पूरी दुनियां करोना महामारी से जूझ रही थी और इसका असर सबसे अधिक मजदूरों पर पड़ा ऐसे में विपक्षी सांसदों को निलंबित कर संसद में 44 में से 29 प्रभावशाली श्रम कानूनों को समाप्त कर मजदूर विरोधी चार श्रम संहिताओं को कानून के रूप में बनाया जोकि पूर्ण रूप से मालिकों के पक्ष में है मजदूरों को 26 हजार न्यूनतम वेतन देने के बजाय मालिकों पूंजीपतियों को ही पोषित करने का काम कर रही है उन्होंने कहा कि मजदूर वर्ग इनकी चालों को समझ गया है जो इनको लागू भी होने देगा।

इस अवसर पर एटक के प्रांतीय महामंत्री अशोक शर्मा ने इस देशव्यापी हड़ताल को एक ऐतिहासिक हड़ताल कहा उन्होंने कहा कि जहां एक तरफ बैंक ,बीमा हड़ताल पर होंगे भी मोदी सरकार की श्रमिक विरोधी नीतियों के खिलाफ आशा,आंगनवाड़ी ,भोजन माता, संविदा, ठेके कमजदूर सहित डाकपत्थर विकास नगर रुत की बसे, सेलाकुई की ई रिक्शा वर्कर्स, हड़ताल पर है ओर आगे भी इस सरकार को मजदूर वर्ग रोकने का काम करेगा। उन्होंने बताया कि सीटू ,एटक व इंटक से जुड़ी यूनियन हड़ताल पर रही। उन्होंने बताया कि दोपहर 12 बजे गांधी पार्क से जिला मुख्यालय तक विशाल रैली निकाल कर केंद्र व राज्य सरकार की नीतियों का विरोध किया। इस अवसर पर नगर मजिस्ट्रेट प्रत्यूष कुमार ने लिया महामहिम राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा गया। इस अवसर पर आशा, आंगनवाड़ी ,भोजन माताएं बड़ी संख्या में उपस्थित थी। इस अवसर पर सीटू के कृष्ण गुनियाल, मनमोहन रौतेला,धीरज कुमार, एस.एस.नेगी, भगवंत पायल , रविन्द्र नौडियाल, किसान सभा के प्रांतीय अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह साजवान, गंगाधर नौटियाल, शिव प्रसाद देवली इंटक के वीरेंद्र नेगी, हिमांशु नेगी, एटक के समर भंडारी, अनिल उनियाल, विक्टर थॉमस, चंपा देवी, जनवादी महिला समिति की प्रांतीय महामंत्री दमयंती नेगी, नूरेशा अंसारी, आंगनवाड़ी की प्रांतीय अध्यक्ष जानकी चौहान, महामंत्री चित्रा, रजनी गुलेरिया, लक्ष्मी पंत, सुनीता रावत, आशा स्वास्थ्य कार्यकत्री यूनियन की प्रांतीय अध्यक्ष शिवा दुबे, सुनीता चौहान, कलावती चंदोला, भोजन माता कामगार यूनियन से बबीता, सुनीता, मीनू नेगी एस.एफ.आई के प्रांतीय अध्यक्ष नितिन मलेथा, महामंत्री शैलेन्द्र परमार, कनिका, अंशिका, इंतजाम, मजदूर सहायता केंद्र से कुलदीप आदि बड़ी संख्या में मजदूर उपस्थित थे।

लूट की घटना का पुलिस ने किया खुलासा, मोबाइल व नगदी बरामद

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने लूट की घटना का खुलासा करते हुए एक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से लूटा गया मोबाइल व नगदी बरामद कर ली। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अशोक कुमार पुत्र ललन प्रजापति, निवासी ग्राम माली मोहम्मद गंज पलामू झारखंड ने कोतवाल ऋषिकेश में आकर प्रार्थना पत्र दिया कि कुछ अज्ञात व्यक्तियो ने आईडीपीएल ऋषिकेश में सुनसान इलाके में उन्हें धमकाते हुए उनका मोवाइल फोन व 5000 रूपये छीन लिये तथा उन्हें जान से मारने की धमकी देते हुए उनकी मोबाइल की यूपीआई आईडी/पासवर्ड लेकर उनके खाते से किसी अन्य के खाते में 01 लाख रूपये ट्रांसफर कर लिये और मौके से फरार हो गये। वादी द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर थाना ऋषिकेश पर मुकदमा दर्ज किया गया। घटना की गंभीरता के दृष्टिगत एसएसपी अजय सिंह द्वारा घटना के अनावरण एंव आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु प्रभारी निरीक्षक ऋषिकेश को आवशयक दिशा निर्देश दिये गये। उक्त निर्देश के अनुपालन में आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु कोतवाली ऋषिकश स्तर पर पुलिस टीम का गठन किया गया, गठित टीम द्वारा घटनास्थल के आसपास आने जाने वाले रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेजों को चैक किया गया, साथ ही आरोपियों द्वारा जिन बैंक खातों में पीडित के खाते से पैसे ट्रांसफर किये गये थे, उनके सम्बंध में जानकारी प्राप्त की गई तो उक्त बैंक खाता बिहार के मुज्जफरपुर का होना ज्ञात हुआ, जिस पर पुलिस टीम द्वारा प्राप्त जानकारी के आधार पर तथा मिली सूचना पर लूट की घटना को अजांम देने वाले एक आरोपी अरूण महतो पुत्र उपिन्द्र महतो को पंतद्वीप पार्किंग हरिद्वार से गिरफ्तार किया गया, जिसके कब्जे से घटना में लूटा गया मोबाइल फोन सैमसंग व 23 हजार रूपये बरामद हुए। पूछताछ में उसके द्वारा बताया कि वह बिहार का रहने वाला है तथा लुधियाना में कपडो की फेरी लगाने का काम करता है, वह अपने 02 अन्य साथियों चन्दन व दीपक मिश्रा के साथ हरिद्वार आया था, जहाँ से वो तीनो घूमने के लिये ऋषिकेश आये तथा आईडीपीएल क्षेत्र में सूनसान सड़क पर एक व्यक्ति को अकेला जाता देख उनके द्वारा उसे डरा-धमकाकर उससे उसकी यूपीआई आईडी का पिन प्राप्त कर 01 लाख रूपये बिहार के रहने वाले अपने एक परिचित के खाते में ट्रांसफर करवाये तथा उसका मोबाइल व पैसे छीनकर मौके से फरार हो गये। उनकें द्वारा अगले दिन भी पीडित के खाते से पैसा ट्रांसफर करने की कोशिश की गई थी, पर पीडित द्वारा उससे पूर्व ही अपने बैंक खाते को फ्रीज करवा लिया गया था। पीडित के खाते से ट्रांसफर किए गये 01 लाख रूपये को उनके द्वारा एटीएम के माध्यम से निकालकर आपस में बांट लिया था। आज भी आरोपी किसी अन्य घटना को अजांम देने की फिराक में वापस हरिद्वार आया था, पर इस दौरान पुलिस द्वारा उसे गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी के साथ घटना में शामिल उसके 02 अन्य साथियों के गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम द्वारा दबिशे दी जा रही है। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

कांच की बोतलों में होते हैं प्लास्टिक की बोतलों से 50 गुना ज्यादा माइक्रोप्लास्टिक

घर की रसोई में जिन पदार्थों का हम रोजाना इस्तेमाल करते हैं, इन दिनों उनमें माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी दर्ज की जा रही है। अब तक सामने आया था कि प्लास्टिक से बनी बोतलों और डिब्बों में ये महीन कण मौजूद होते हैं। हालांकि, एक नए अध्ययन ने इस विषय में एक आश्चर्यजनक खुलासा कर दिया है। दरअसल, इस शोध से सामने आया है कि प्लास्टिक की बोतलों की तुलना में कांच से बनी बोतलों में ज्यादा माइक्रोप्लास्टिक पाए जाते हैं। फ्रांस की खाद्य सुरक्षा एजेंसी एन्सेस द्वारा किए गए इस अध्ययन को जर्नल ऑफ फूड कम्पोजीशन एंड एनालिसिस नामक पत्रिका में प्रकाशित किया गया था। इसमें पाया गया है कि कांच की बोतलों में रखे पेय पदार्थों में प्लास्टिक की बोतलों या धातु के डिब्बों की तुलना में कई गुना अधिक माइक्रोप्लास्टिक होते हैं। शोधकर्ताओं द्वारा कांच की बोतलों में प्रति लीटर 100 माइक्रोप्लास्टिक पाए गए। यह प्लास्टिक के कंटेनरों में पाए गए कणों से 50 गुना अधिक है।

फ्रांस के रहने वाले पीएचडी छात्र इस्लिन चैब के नेतृत्व में इस अध्ययन को पूरा किया गया था। शोधकर्ताओं को उम्मीद थी कि पेय पदार्थों की पैकेजिंग के लिए प्लास्टिक की जगह पर कांच एक सुरक्षित विकल्प होगा। हालांकि, जो नतीजे सामने आए वह बिलकुल उलटे थे। इस शोध को पूरा करने के लिए फ्रांस में बेचे जाने वाले विभिन्न प्रकार के पेय पदार्थों की पैकेजिंग की जांच की गई थी, ताकि माइक्रोप्लास्टिक्स की मात्रा का पता लगाया जा सके।

जांच करने पर सामने आया कि कांच की बोतलों से निकलने वाले महीन कणों का आकार, रंग और संरचना उनके ढक्कनों के बाहर लगे पेंट के समान थे। एजेंसी ने एक बयान में कहा, ढक्कनों पर पेंट के निशान भी थे, जो इतने महीन थे कि आंखों से दिखाई नहीं देते थे। बंद करते समय जब ये ढक्कन एक दूसरे से रगड़ खाते हैं तो इनमें छोटी-छोटी खरोंचें पड़ जाती हैं, जिनसे प्लास्टिक के कण निकलते हैं।

सभी प्रकार की पैकेजिंग में बिकने वाले पानी में माइक्रोप्लास्टिक का स्तर कम था। कांच की बोतलों में बंद पानी में प्रति लीटर लगभग 4.5 कण थे। सॉफ्ट ड्रिंक, नींबू पानी और बीयर में माइक्रोप्लास्टिक की मात्रा बहुत अधिक थी, जो प्रति लीटर 30-60 थी। इन पेय पदार्थों को आमतौर पर पेंट किए गए ढक्कनों से बंद किया जाता है, जिनके कारण इसमें माइक्रोप्लास्टिक घुलते हैं। पेंट वाले ढक्कन होने के बाद भी वाइन में बहुत कम माइक्रोप्लास्टिक पाए गए। खाद्य या पेय में माइक्रोप्लास्टिक के खतरनाक स्तर को निर्धारित करने के लिए कोई अंतरराष्ट्रीय मानक नहीं है। इसलिए, यह निर्धारित करना मुश्किल था कि क्या ये स्तर स्वास्थ्य के लिए जोखिम पैदा करता है या नहीं। हालांकि, एन्सेस ने हवा, पानी और शराब से ढक्कनों को साफ करके एक परीक्षण किया, जिससे संदूषण 60 प्रतिशत तक कम हो गया। इसे माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी को घटाने का प्रभावी उपाय माना जा सकता है।(आरएनएस)

खाने का स्वाद बढ़ाने के अलावा इन कामों के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है नमक

आमतौर पर नमक का उपयोग खाने का स्वाद बढ़ाने के लिए किया जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह कई अन्य कामों के लिए भी उपयोगी हो सकता है। नमक का उपयोग करके आप अपने घर को साफ-सुथरा रख सकते हैं, कपड़ों की खुशबू बढ़ा सकते हैं और यहां तक कि अपने स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद हो सकता है। आइए नमक से जुड़े कुछ बेहतरीन तरीके जानते हैं।

पैन और बर्तन साफ करने के लिए करें इस्तेमाल

पैन और बर्तन साफ करने के लिए भी नमक का उपयोग किया जा सकता है। इसके लिए पानी में नमक डालकर उबालें, फिर इस मिश्रण को अपने पैन या बर्तन में डालकर कुछ देर छोड़ दें। इससे चिपकी हुई चिकनाई और जमी हुई गंदगी आसानी से निकल जाएगी। यह तरीका खासतौर पर लोहे के बर्तनों के लिए बहुत असरदार होता है क्योंकि यह उन्हें फिर से नया जैसा बना देता है।

भूरे होने से बचाएं आलू और अन्य सब्जियां

आलू और अन्य सब्जियां भूरे होने से बचाने के लिए भी नमक का उपयोग किया जा सकता है। इसके लिए आलू काटने के बाद उन पर थोड़ा नमक लगाकर रख दें, इससे वे जल्दी भूरे नहीं होंगे। इसी तरह हरी सब्जियों को काटने के बाद उन पर थोड़ा नमक छिड़क दें और फिर उन्हें फ्रिज में रखें। इससे सब्जियां ताजा बनी रहेंगी और उनका रंग भी नहीं बदलेगा।

दांतों की सफाई के लिए भी किया जा सकता है इस्तेमाल

दांतों की सफाई के लिए भी नमक का उपयोग किया जा सकता है। इसके लिए एक गिलास गर्म पानी में थोड़ा नमक मिलाकर घोल तैयार करें, फिर इस घोल से अपने मुंह को धोएं। इससे आपके दांत साफ हो जाएंगे और मुंह की बदबू भी दूर हो जाएगी। यह तरीका खासतौर पर सुबह-सुबह करने से ज्यादा असरदार होता है क्योंकि इससे आपके दांतों को ताजगी मिलती है।

कपड़ों की महक बढ़ाएं

कपड़ों की महक बढ़ाने के लिए भी नमक का उपयोग किया जा सकता है। इसके लिए अपने वॉशिंग मशीन में कपड़े धोते समय उसमें थोड़ा नमक डालें, इससे कपड़ों की महक ताजगी भरी रहेगी और वे ज्यादा साफ-सुथरे भी दिखेंगे। इस तरह आप आसानी से अपने रोजमर्रा के कामों में नमक का उपयोग करके कई काम कर सकते हैं और अपने जीवन को थोड़ा और आसान बना सकते हैं। (आरएनएस)

कांवड़ मेला: डीएम व एसएसपी ने गंगा घाटों का किया भौतिक निरीक्षण

संवाददाता

टिहरी। कांवड मेले को सकुशल सम्पन्न कराने को लेकर डीएम व एसएसपी ने गंगा घाटों का भौतिक निरीक्षण किया।

आज यहां कांवड़ मेला 2025 को सकुशल सम्पन्न कराने को लेकर जिलाधिकारी, एवं आयुष अग्रवाल एसएसपी टिहरी गढ़वाल, द्वारा कांवड़ मेला क्षेत्र मुनि की रेती का भौतिक निरीक्षण किया गया। एसएसपी द्वार क्षेत्राधिकारी नरेंद्र नगर को निर्देशित किया कि पुलिस कर्मियों की घाट क्षेत्रों में सादे वस्त्रों में भी ड्यूटी लगायी जाए एवं प्रतिबंधित क्षेत्रों में अनिवार्य रूप से साइन बोर्ड लगे हो। एसएसपी द्वारा कांवड़ मेला ड्यूटी के दौरान जल पुलिस को अपने आवश्यक उपकरणों के साथ और आदि सतर्क रहने को कहा। दोनों अधिकारियों द्वारा कांवड़ क्षेत्र में यातायात व्यवस्था, सुरक्षा एवं शांति व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। प्रभारी निरीक्षक मुनि की रेती समय रहते व्यापारियों के साथ गोष्ठी आयोजित कर ले ताकि कांवड़ मेला के दौरान सभी व्यापारी बंधु और , पुलिस प्रशासन के बीच बेहतर सामंजस्य हो सके। कांवड़ मेला के दौरान होने वाली परेशानियों से कैसे निपटा जा सके उस ओर क्या बदलाव हो सकता है जिससे कांवड़ियों को दिक्कतों का सामना ना करना पड़े एवं यातायात व्यवस्था को कैसे सुगम बनाया जाए उस विषय पर भी चर्चा की गई। निरीक्षण के दौरान क्षेत्राधिकारी नरेंद्र नगर सुरेंद्र सिंह भंडारी, थाना प्रभारी मुनि की रेती प्रदीप चौहान, निरीक्षक यातायात उमा दत्त सेमवाल, एवं ड्यूटी पर उपस्थित पुलिस बल मौजूद रहे।

जानलेवा हमले का आरोपी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

पिथौरागढ़। चाकू से जानलेवा हमला करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज पुष्कर दत्त कापड़ी द्वारा कोतवाली पिथौरागढ़ में तहरीर देकर बताया गया था कि 6 जुलाई को आरोपी निकित खत्री ने लाशघर रोड पर उनको पीछे से टक्कर मारकर उन पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला किया गया और उन्हे मरा समझकर मौके से फरार हो गया।

घटना में वह गम्भीर रूप से घायल हो गये, जिसका वर्तमान में अस्पताल में उपचार चल रहा है। घटना की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी गयी।

आरोपी की तलाश में जुटी पलिस टीम द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद आरोपी निकित खत्री पुत्र भारत चन्द्र खत्री निवासी घण्टाकरण, मूल निवासी बांस, पिथौरागढ़ को निर्माणाधीन जेल के पास चण्डाक रोड से गिरफ्तार कर लिया गया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

52 लाख की हेरोइन सहित तस्कर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्यवाही करते हुए एसटीएफ की एंटी नार्कोटिक्स टास्क फोर्स द्वारा एक नशा तस्कर को गिरफ्तार कर उसके पास से करीब 52 लाख रूपये की हेरोइन बरामद की गयी है। आरोपी लालपुर व आसपास के क्षेत्र में स्मैक के व्यापार के लिए कुख्यात था। काफी समय से एसटीएफ की रडार पर था।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ नवनीत सिंह भुल्लर ने बताया कि एसटीएफ की एंटी नार्कोटिक्स टास्क फोर्स, कुमाऊं यूनिट, रुद्रपुर द्वारा थाना किच्छा पुलिस के साथ मिलकर सयुंक्त कार्यवाही करते हुए एक ड्रग तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से करीब 174.6 ग्राम हेरोइन बरामद की गयी है। बताया कि कल शाम को उत्तराखण्ड एसटीएफ की एण्टी नारकोटिक्स टास्क फोर्स द्वारा थाना किच्छा क्षेत्र में स्थानीय पुलिस को साथ लेकर संयुक्त कार्यवाही करते हुए महिंद्रा फैक्ट्री के निकट एच.पी. पेट्रोल पंप के ठीक सामने खुले मैदान पर से एक हेरोइन तस्कर को गिरफ्तार किया जिसके कब्जे से कुल 174.6 ग्राम अवैध हेरोइन बरामद हुई। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम भगवान दास कालरा, पुत्र दयानंद, निवासी आवास विकास, किच्छा, थाना किच्छा, जनपद उधम सिंह नगर बताया। बताया कि बरामद हुई हेरोइन को वह लालपुर के अमन व दरऊ के सावेज उर्फ समीर नामक व्यक्ति से लेकर आया है तथा जिसको वह हल्द्वानी क्षेत्र के अर्जुन को बेचता है।

गुरु पूर्णिमा महोत्सव के दूसरे दिन बताये चरित्र निर्माण के मंत्र

संवाददाता

देहरादून। गुरू पूर्णिमा महोत्सव के द्वितीय दिवस पर आचार्य डॉ. विपिन जोशी ने बच्चों को चरित्र निर्माण के मंत्र बताये।

आज यहां गुरु पूर्णिमा महोत्सव द्वितीय दिवस गुरु पूर्णिमा महोत्सव के अंतर्गत आज दूसरे दिन ब्लूमिंग बर्डस स्कूल गढ़ी कैंट में आचार्य डा. बिपिन जोशी के पावन सानिध्य में नैतिक शिक्षा, शिक्षकों के सम्मान के साथ पुष्प के पौधों के भेट और प्रसाद वितरण का कार्यक्रम रखा गया। नैतिक शिक्षा के कार्यक्रम में आचार्य डा. बिपिन जोशी ने बाल्यकाल के संस्कार विषय पर प्रकाश डालते हुए बच्चे को कुम्हार की मिट्टी बताते हुए संस्कारों द्वारा चरित्र निर्माण के मंत्र बताएं, अनुशासन और नैतिकता को चरित्र निर्माण की कुंजी बताते हुए इसे जीवन का आधार बताया, विद्यालय के प्रधानाचार्य वसंत उपाध्यक्ष ने आचार्य डा. बिपिन जोशी का स्वागत अभिनंदन किया। जोशी के कर कमलों से प्रधानाचार्य सहित सभी शिक्षक शिक्षिकाओं को अंगवस्त्र और लेखनी भेंट कर गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर सम्मानित किया गया। आचार्य जोशी द्वारा विद्यालय की शोभा बढ़ाने के लिए गमले और पुष्पों के पोंधे भेंट किए गए, बच्चो को गुरु पूर्णिमा का प्रसाद भी वितरित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य वसंत उपाध्यक्ष और शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

हिंदी की सेवा में सौ साल से जुटा सस्ता साहित्य मंडल

रीतारानी पालीवाल,
पूर्व प्रोफेसर, इग्नू

हम सब जानते हैं, आधुनिक भारतीय नवजागरण का लक्ष्य राजनीतिक गुलामी से आजादी के साथ-साथ मानसिक-बौद्धिक दासता से मुक्ति का प्रयास भी था। इसके लिए देशवासियों में अपने अतीत और वर्तमान के प्रति जागरूकता लाना, उन्हें देश-विदेश के साहित्य से, पुराने और नए ज्ञान-विज्ञान से अवगत कराना आवश्यक था। यह भी आवश्यक था कि यह ज्ञान-संपदा लोगों को उनकी अपनी भाषा में सुलभ हो, ताकि अधिकाधिक लोग उससे लाभ उठा सकें। इसी बात को ध्यान में रखते हुए 'सस्ता साहित्य मंडल' ने ऊंचे दरजे का रचनात्मक साहित्य न्यूनतम मूल्य पर पाठकों को हिंदी में उपलब्ध कराने और उसका प्रसार करने का दायित्व संभाला और

पिछली एक सदी से सफलतापूर्वक अपने इस फर्ज का निर्वाह करता चला आ रहा है। सस्ता साहित्य मंडल एक गैर-लाभकारी प्रकाशन संस्था है, जिसकी स्थापना सन् 1925 में अजमेर में हुई थी। महात्मा गांधी की प्रेरणा और जमनालाल बजाज, घनश्याम दास बिड़ला व जीतमल लूणिया के प्रयासों से स्थापित इस प्रकाशन संस्था का मूल उद्देश्य जन-सामान्य को बौद्धिक-मानसिक स्वतंत्रता की ओर उन्मुख करना था। करीब नौ साल बाद 1934 में इसका कार्यालय अजमेर से दिल्ली लाया गया और 1939 में 'सोसाइटीज रजिस्ट्रेशन ऐक्ट' के अंतर्गत नए सिरे से इसका पंजीकरण कराया गया। उस समय घनश्याम दास बिड़ला, जमनालाल बजाज, डॉ राजेंद्र प्रसाद, काका कालेलकर, हरिभाऊ उपाध्याय, महावीर प्रसाद पोद्दार, जीतमल लूणिया, देवदास गांधी जैसे देशप्रेमी और जन-हितैषी व्यक्ति मंडल प्रबंध समिति के सदस्य थे। जन-जागरण और मुक्ति की चेतना के प्रसार की आकांक्षा से जन्मी इस संस्था ने जो पहली पुस्तक प्रकाशित की, उसका शीर्षक था, दक्षिण अफ्रीका का सत्याग्रह। यह महात्मा गांधी द्वारा मूलत: गुजराती में लिखित दक्षिण अफ्रीका न सत्याग्रह ने इतिहास का हिंदी अनुवाद है। इस किताब का पहला खंड मंडल के स्थापना-वर्ष में ही छपकर आ गया था, दूसरा खंड अगले वर्ष 1926 में प्रकाशित हुआ। मंडल की तीसरी पुस्तक गांधीजी की अछूतोद्धार आई और चौथी थी, प्राचीन भारत के स्त्री रत्न। यह किताब भी गुजराती से हिंदी अनुवाद था। इसका पाठक समाज में इतना स्वागत हुआ कि कुछ वर्षों में ही इसके तीन संस्करण आ गए। अपनी स्थापना के डेढ़ दशक के कार्यकाल में न केवल 150 पुस्तकें प्रकाशित कर ली थीं, बल्कि गांधीवादी विद्वान हरिभाऊ उपाध्याय के संपादन में जीवन साहित्य नामक एक मासिक पत्रिका का प्रकाशन भी शुरू कर दिया, जो आधी शताब्दी से भी अधिक समय तक जारी रहा। इस प्रकाशन ने विभिन्न भारतीय भाषाओं की श्रेष्ठ कृतियों के हिंदी अनुवाद प्रकाशित किए। अंग्रेजी लेखकों के अनुवाद के साथ ही इसने टॉलस्टॉय, खलील जिब्रान, लुई फिशर, तुर्गनेव, स्टीफन ज्विग, आंद्रे जींद, हैरियट बीचर स्तो आदि महान लेखकों की रचनाएं अनुवाद कर हिंदी पाठकों को सुलभ कराया। पिछली सदी के साठ तक के दशक में पली-बढ़ी हिंदीभाषी पीढ़ी के अनेक लोग आज भी कहते हुए मिलते हैं कि हम तो सस्ता साहित्य मंडल की किताबें पढ़ते हुए बड़े हुए हैं। ऐसा नहीं है कि अब इसका महत्व कम हो गया है। आज हिंदी में कई बड़े-बड़े प्रकाशक हैं, लेकिन सस्ता साहित्य मंडल की पुस्तकें, उनके विषय-वस्तु, रंग-रूप, छपाई आदि काफी सराही जाती हैं। इसकी किताबें सस्ती भी हैं। यहां तक कि प्रकाशन विभाग, केंद्रीय हिंदी संस्थान जैसे संस्थानों की किताबें भी यहां से छपती हैं। रही बात पाठक-वर्ग की, तो स्कूली बच्चों से लेकर वरिष्ठ नागरिकों तक इसकी पहुंच है। सभी तरह की किताबें यहां से छपती हैं, फिर चाहे वे विज्ञान की हों या साहित्य की, या फिर दर्शन या संस्कृति की। एक बड़े पाठक-वर्ग तक इसकी किताबें पहुंच रही हैं। यहां नई-पुरानी सभी किताबें मिल जाती हैं, जिसके कारण इसकी प्रतिष्ठा काफी ज्यादा है। जाहिर है, मंडल एक समृद्ध परंपरा को जी रहा है। इसने सभी विधाओं में महान रचनाकारों की कृतियां प्रकाशित की हैं। ऐसे में, सौ साल का इसका सफर एक बड़ी उपलब्धि है। हिंदी की सेवा में इसके योगदान की हमें सराहना करनी चाहिए।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

भारत की डिजिटल जनगणना से देश के भविष्य की तस्वीर सामने आएगी

अजय दीक्षित

आशा करनी चाहिए कि 2027 की जनगणना से देश की तस्वीर उभर कर सामने आए।आज केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने 16 साल बाद हो रही पहली डिजिटल जनगणना की अधिसूचना जारी की। इससे पहले 2011में जनगणना हुई थी। 28 राज्योंउत्तराखंड , हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, महाराष्ट्र, गोवा, ओड़िशा, मेघालय, मिजोरम, सिक्किम, पंजाब ,असम, नागालैंड, त्रिपुरा, मणिपुर, बिहार, पश्चिमी बंगाल, कर्नाटक, केरल, तेलंगाना, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश,और आठ केंद्र शासित प्रदेशों दिल्ली, जम्मू कश्मीर, लद्दाख, अंडमान निकोबार द्वीप समूह, दमन द्वीप, नगर हवेली, चंडीगढ़,में 34 लाख कर्मचारी जनगणना करेंगे और यह विश्व का अब तक का सबसे बड़ा प्रशासनिक अभियान होगा ।इस जनगणना में एक लाख तीस हजार ऐसे लोग या कर्मचारी होंगे जो इसे डिजिटल प्रारूप में स्थापित करने का काम करेंगे। मार्च 2027 में इस जनगणना के परिणाम जारी किए जाएंगे। गृह मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक इस जनगणना में मकान,जमीन, पुरुष, स्त्री,अभय लिंगी, जाति, अनुसूचित जाति, जनजाति,जंगल, पेड़,स्कूल, माध्यमिक विद्यालय, शिक्षक, महाविद्यालय, अन्य शिक्षण संस्थान, मंदिर , मस्जिद, गुरुद्वारा, ब अन्य धार्मिक स्थानों, रीत रिवाजों शौचालय,नलकूप,नहरें,कुलाबे, कुएं, तलाब, झील, झरने, नदियां,नाले,सड़क, पगडंडी,पुल,अन्य बुनियादी ढांचे, मतदान केंद्र,सभी डिजिटल प्रारूप में स्थापित कर गिने जाएंगे। इसमें विधायक, सांसद, पंचायतों के पंच, सरपंच, नगरीय निकायों, पार्षदों, मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री,मंत्री, राज्यपाल, राष्ट्रपति,की गिनती होगी।पहली बार सरकार ने इसे उद्देश्य पूर्ण बनाया है।

जनगणना हमेशा देश की दिशा और दशा तय करती है।

इस जनगणना से जो परिणाम निकलेंगे वह सरकार की योजना, प्रगति, सामाजिक

संस्थाओं, बनियादी ढांचों को आवश्यकताओं को इंगित करेंगे। सरकार के समक्ष एक विकल्प होगा कि किस राज्य या प्रदेश में किस प्रकार की जरूरतें हैं।

सामाजिक संस्थाओं,में और समाज में किस राज्य में कौन कौन सी जातीय निवास करती हैं और वे कितने प्रतिशत में है। सरकार आगामी दिनों में इन आंकड़ों से आरक्षण, नौकरियों में, विश्व विद्यालयों, चिकित्सा सेवाओं,में कौन सी जातीय पीछे छूट गयी,इसको भी तय कर सकती है। ग्रामीण क्षेत्रों और शहरी क्षेत्रों का अकड़ा भी सामने आएगा।

आगामी जनगणना स्थाई मतदाता सूची भी बनाएगी जिसमें व्यक्ती या नागरिक की 18 वर्ष पूरी होने पर स्वचालित मतदाता सूची में शामिल होगा।

यह प्रक्रिया गरीब, बीपीएल परिवार, खाद्यान्न उपलब्ध कराने का काम भी करेगा।

गृह मंत्रालय के सूत्रों ने बताया है कि जनगणना बहुआयामी और बहुद्देशीय होगी।इस जनगणना से बहुत से विवाद हल करने में सहायता मिल सकती है।

विश्व में प्रत्येक देश में डिजिटल जनगणना हुई है और यह स्थाई है,इसी आधार पर सरकार की योजनाओं को लागू किया जाता है। जन जाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग, धर्म, समुदाय,की गढ़ना होगी।

जनगणना सांख्यिकी विशेषज्ञों का मत है कि भारत में अब तक हुए जनगणना से यह जनगणना व्यापक और बहुद्देशीय होगी। विशेषकर उन क्षेत्रों के लिए जो विकास में पीछे हैं।

एक प्रकार से शोषित पीड़ित समाज के लिए महत्वपूर्ण आयाम प्रदान करने वाली है।

अभी सरकार 80 करोड़ लोगों को खाद्यान्न उपलब्ध कराती है। लेकिन स्टडी फॉर ह्यूमन राइट्स लन्दन में एक रिपोर्ट

गृह मंत्रालय भारत के हवाले प्रकाशित हुई है उसमें कहा गया है कि अभी भारत की जनसंख्या 140 बिलियन है और यह अनुमानित ही है क्योंकि 2011 के बाद के कोई सार्थक प्रमाण नहीं है। स्टडी फॉर ह्यूमन राइट्स लन्दन ने कहा है कि भारत की वास्तविक जनसंख्या अनुमानित से कम हो सकती है। क्योंकि 2011 में जनगणना कागज पर केवल लोगों के व्यक्तिव या कथन से हुई थी। लेकिन अब सॉफ्वेयर दो बार किसी व्यक्ति की जानकारी आधार कार्ड के अनुसार ही स्वीकार करेगा। इस लिए जनसंख्या 1300 मिलियन भी हो सकती है। जनगणना में जीवन,मृत्यु भी दर्ज होगा ।इससे जीवन और मृत्यु दर का बोध भी होगा। बताया जाता है कि 2050 में भारत की आबादी बढ़ना बंद हो जाएगी। क्योंकि प्रजनन दर 2.1 अभी है। अगर 1.9 तक गिरी तो मृत्यु दर बढ़ेगी और जन्म दर घटेगी ।समाज शास्त्री ओ के मुताबिक अभी 2030 के बाद वर्तमान मृत्यु दर में बढ़ोत्तरी होगी क्योंकि 60,70,80, के दशक की जन्म वाली पीढ़ी क्रमश 80,70,60 वर्षों के होगी।

शब्द सामर्थ्य -98

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. लज्जत, जायका 2. मुकाबला, भेंट, होड़ 5. बंदी, कैद की सजा पाने वाला व्यक्ति 7. खल-पात्र, नाटक फिल्म आदि का बुरा पात्र 9. कामी, व्याभिचारी 10. इज्जत जाना, बेइज्जती होना (उपमा)11. ऊटपटांग, विचित्र, कठिन 13. वैभव, ठाट-बाट 14. साथ, सहित 15. कामदेव की पत्नी, प्रेम 16. मैं का बहुवचन 17. दरवाजे-दरवाजे 20. एक राशि, मगर 22. नमी, सीड़, मुहर, ठप्पा 23. औषधालय, चिकित्सालय।

ऊपर से नीचे

1. आत्मनिर्भर, स्वालंबन भावना से युक्त, स्वाश्रित 2. वर्ष, बरस 3. राजी करना, रूठे हुए को खुश करना, प्रसन्न करना 4. नाटक फिल्म आदि का मुख्यपात्र 6. दीवानगी, पागलपन, 7. दो वस्तुओं के टकराने से उत्पन्न ध्वनि, बैर-विरोध, अनबन 8. खीरे की प्रजाति का एक फल 11. बेवकूफ, मूर्ख 12. बादल, मेघ 13. बहुत चालाक, होशियार 14. जिसका मत दूसरे से मिलता हो, 15. दांत, दंत 18. प्राप्ति, वस्तु आदि मिलने का प्रमाण पत्र 19. दंगा-फसाद, उपद्रव विप्लव 21. बचाव, सुरक्षा।

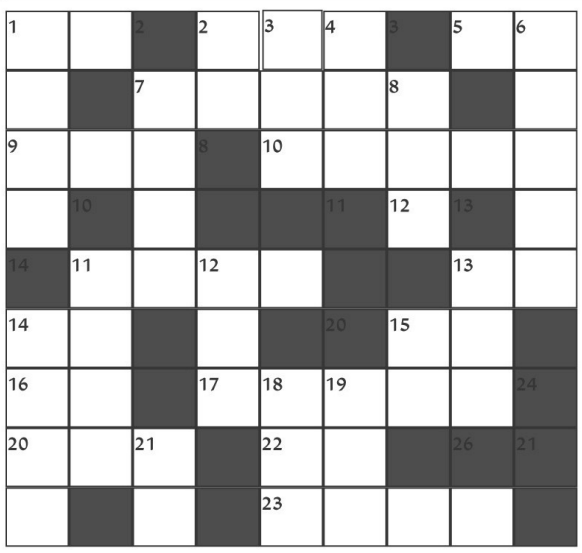

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 97 का हल

ग	ल	त	ज्ञ	■	■	खा	म	खाँ
णे	■	ल	■	झ	प	की	■	■
श	र	ब	त	■	रं	■	■	मि
■	ज	गा	ना	■	प	रा	का	ष्ठा
■	नी	र	■	वि	रा	ज	मा	न
ना	च	■	■	प	■	■	य	■
म	र	णा	स	न्न	■	पा	नी	■
ची	■	■	प	■	पा	■	■	भो
न	ज	रा	ना	■	स	मा	चा	र

सन ऑफ सरदार 2 की रिलीज डेट का एलान

अजय देवगन और मृणाल ठाकुर पहली बार सन ऑफ सरदार 2 में स्क्रीन शेयर करते हुए नजर आएंगे। हाल ही में इस फिल्म की रिलीज की तारीख का एलान किया गया है। फिल्म को लेकर फैंस काफी अत्साहित हैं। आज अजय देवगन ने फिल्म के दो नए पोस्टर शेयर किए और कुछ ही समय में यह वायरल हो गए। सन ऑफ सरदार 2 25 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अजय देवगन ने नए पोस्टर शेयर करते हुए लिखा वह पंजाब से बच गया...क्या वह स्कॉटलैंड से बच पाएगा? सन ऑफ सरदार 2 इस 25 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। सरदार दोबारा आ रहा है।

इससे पहले, अभिनेता ने एक पोस्टर शेयर किया था जिसमें वह पगड़ी पहने हुए थे और उन्होंने इसे कैप्शन दिया था 25 जुलाई को आपके नजदीकी सिनेमाघरों में सरदार की वापसी

नए पोस्टर में देखा जा सकता है कि अजय देवगन दो ट्रैक्टरों पर खड़े हुए हैं। उन्होंने शॉर्ट कुर्ता-पाजामा पहना है। वहीं सर पर लाल पगड़ी पहनी है। दूसरे पोस्टर में अजय देवगन कुर्ता पाजामा पहने हैं और पिंक पगड़ी पहने हैं। इस पोस्टर में वह टैंक पर खड़े हैं। उनके पीछे दुश्मन हैं। पोस्टर पर कमेंट करते हुए एक फैन ने लिखा है अब इंतजार नहीं हो रहा है।

आपको बता दें अजय देवगन की फिल्म सन ऑफ सरदार साल 2012 में रिलीज हुई थी। यह फिल्म हिट रही थी। सन ऑफ सरदार 2 इसी का सीक्वल है। अजय देवगन एक बार फिर इस फिल्म से वापस आ रहे हैं। इसमें मृणाल ठाकुर अहम भूमिका में हैं। जियो स्टूडियोज, देवगन फिल्म्स और टी-सीरीज के सपोर्ट से बन रही ये फिल्म एक्शन, कॉमेडी और हाई-स्पिरिटेड ड्रामा होने वाली है। कुछ दिनों पहले, फिल्म की अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने सन ऑफ सरदार 2 नाम से एक क्लैपबोर्ड फोटो पोस्ट की थी। उन्होंने कैप्शन में लिखा था। सीन 49 शॉट 5 टेक 1 एक्शन! सन ऑफ सरदार 2 फिल्म सन ऑफ सरदार की अगली कड़ी है, जिसमें सोनाक्षी सिन्हा मुख्य भूमिका में थीं। 2012 की इस फिल्म में अजय देवगन और संजय दत्त ने जस्सी और बिल्लू का किरदार निभाया था। अपकमिंग सीक्वल में, संजय दत्त डॉन के रूप में वापसी करेंगे।

राम चरण की फिल्म पेड्डी से दिव्येंदु शर्मा की पहली झलक आई सामने

वेब सीरीज मिर्जापुर में मुन्ना भैया का किरदार निभाकर घर-घर में मशहूर हुए अभिनेता दिव्येंदु शर्मा 19 जून को 42 साल के हो गए हैं। उनके जन्मदिन पर प्रशंसकों को बड़ा उपहार मिला है।

दरअसल, राम चरण की फिल्म पेड्डी से दिव्येंदु की पहली झलक सामने आ गई है, जिसमें उनका धांसू अवतार दिख रहा है। दिव्येंदु फिल्म में राम बुज्जी की भूमिका निभा रहे हैं। इसके साथ निर्माताओं ने दिव्येंदु को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। पेड्डी में राम चरण के साथ अभिनेत्री जाह्नवी कपूर नजर आएंगी और यह पहला मौका होगा, जब ये दोनों कलाकार पर्दे पर साथ दिखाई देंगे। इस फिल्म में शिव राजकुमार और जगपति बाबू जैसे सितारे भी नजर आएंगे। पेड्डी एक पैन इंडिया फिल्म है, जिसे हिंदी के साथ तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ भाषा में रिलीज किया जाएगा।

यह फिल्म 27 मार्च, 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। फिल्म की शूटिंग पहले ही शुरू हो चुकी है।

सूर्या की अगली फिल्म करुप्पु का प्री-लुक पोस्टर भी रिवील

सूर्या की 45वीं फिल्म का नाम करुप्पु है। आज निर्माताओं ने निर्देशक आरजे बालाजी के जन्मदिन पर फिल्म का प्री-लुक पोस्टर जारी किया है। इस फिल्म का अस्थाई नाम सूर्या45 है। अब इस फिल्म का नाम करुप्पु ऑफिशियली अनाउंस कर दिया है।

फिल्म का पोस्टर लाल रंग है। इसमें एक साइड में एक घोड़े की धूंधली तस्वीर दिखाई दे रही हैं, जिस पर एक घुड़सवार दिखाई दे रहा है। साथ ही पोस्टर के बीच में एक शख्स खड़ा नजर आ रहा है, जिसके हाथ में एक खतरनाक हथियार दिखाई दे रहा है। हो सकता है कि यह शख्स सूर्या ही हों।

सूर्या को आखिरी बार फिल्म रेट्रो में देखा गया था, जो ज्यादा सफल नहीं हुई। इस फिल्म को आरजे बालाजी डायरेक्ट कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार करुप्पु में तृषा कृष्णन मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म का निर्माण ड्रीम वॉरियर पिक्चर्स के बैनर तले किया जा रहा है। फिल्म का संगीत साई अभ्यंकर तैयार कर रहे हैं। निर्माताओं ने फिल्म करुप्पा का पोस्टर जारी किया और कैप्शन में लिखा, गर्व और उत्साह के साथ, हम सूर्या45 का शीर्षक प्रस्तुत करते हैं। करुप्पु। एक ऐसा नाम जो हमारी कहानी की आत्मा को दर्शाता है, जिसे दिल, भावना और उद्देश्य ने आकार दिया है। #करुप्पु। इसके साथ ही निर्माताओं ने फिल्म के निर्देशक को जन्मदिन की बधाई देते हुए लिखा, हमारे निर्देशक को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं आरजे बालाजी।(आरएनएस)

मीना कुमारी की बायोपिक में नजर आ सकती हैं कियारा आडवाणी

पिछले काफी समय से बॉलीवुड की ट्रैजडी क्वीन मीना कुमारी की जिंदगी को बड़े पर्दे पर लाने की चर्चा हो रही है, जिसके लिए मुख्य अभिनेत्री से जुड़ी नई-नई खबरें सामने आती रहती हैं। पहले मीना की भूमिका के लिए कृति सैनन से सपंर्क किया गया था। चर्चा थी कि वह फिल्म के लिए हामी भी भर चुकी हैं। अब ताजा खबर यह है कि मीना की बायोपिक के लिए अभिनेत्री कियारा आडवाणी से संपर्क किया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, मीना की बायोपिक की हीरोइन कियारा होंगी। फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने के लिए निर्माताओं ने उनसे संपर्क किया है। निर्माताओं ने कियारा को फिल्म की स्क्रिप्ट सुना दी है। कहा जा रहा है कि अभिनेत्री को फिल्म की कहानी भी पसंद आ गई है। निर्माताओं का मानना है कि मीना की भूमिका के लिए कियारा सही विकल्प हैं। फिल्म के निर्देशन की कमान फिल्म महाराज के निर्देशक सिद्धार्थ पी मल्होत्रा ने संभाली है।

काम के मोर्चे पर बात करें तो किराया जल्द ही फिल्म वॉर 2 में नजर आएंगी। इस फिल्म में ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर भी मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। यह फिल्म स्वतंत्रता दिवस के मौके पर यानी 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके अलावा कियारा के पास फिल्म टॉक्सिक भी है, जिसके हीरो सुपरस्टार यश हैं। बता दें कियारा इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में हैं। वे जल्द ही मां बनने वाली हैं।

नताशा स्टेनकोविक ने बोल्ड फोटोशूट से मचाया तहलका

भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पांड्या की एक्स वाइफ और एक्ट्रेस नताशा स्टेनकोविक अक्सर अपने लुक को लेकर सुर्खियों में आ जाती हैं। जी हां, वो आए दिन अपने बोल्ड लुक्स की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं और छा जाती हैं। इसी बीच अब उन्होंने अपनी कुछ ऐसी फोटोज शेयर की हैं, जिन्हें देखकर फैंस भी हैरान रह गए हैं। तो चलिए उनके नए लुक के बारे में आपको भी बताते हैं।

दरअसल, नताशा स्टेनकोविक ने हाल ही में एक फोटोशूट कराया है, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया जमकर वायरल हो रही रही हैं। जी हां, अपनी इन तस्वीरों से एक्ट्रेस हर तरफ छा गईं हैं। इन तस्वीरों में नताशा ब्लैक कलर की स्पोर्ट्स ब्रा और ब्लू कलर की डेनिम पहने दिखाई दे रही हैं।

मिनिमल मेकअप और खुले बालों में नताशा बेहद स्टनिंग दिख रही हैं। वहीं इस दौरान नताशा ने अपनी जीन्स की चेन खोलकर जमकर पोज दिए। ऐसे में अब उनकी इन तस्वीरों को देखने के बाद नेटिजन्स ने उन्हें ट्रोल कर दिया है।

जहां कुछ फैंस नताशा की फोटोज देखकर उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं, तो वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं जो उनकी जीन्स की चेन खुली देखकर उनपर भड़क गए हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, छुपाना भी नहीं आता, दिखाना भी नहीं आता। एक दूसरे शख्स ने कमेंट किया- ये कौन सा पोज है भाई। इसके अलावा, एक यूजर ने लिखा- चड्डी दिखाने का ट्रेंड बना लिया क्या। इसके अलावा एक यूजर ने कहा- थोड़ी तो शर्म कर लो।

अतुल्य भारत, अजेय भारत- मोदी युग ने पर्यटन को कैसे नया स्वरुप दिया

गजेंद्र सिंह शेखावत

पिछले दशक में, भारत की पवित्र भूमि को सिर्फ़ देखा ही नहीं गया है - बल्कि इसे फिर से खोजा गया है। पहाड़ अब सिर्फ़ परिदृश्य नहीं रह गए हैं; वे जीवित अभयारण्य हैं। केदारनाथ और बद्रीनाथ के बर्फ से ढके मंदिरों से लेकर बोधगया की ध्यानपूर्ण शांति और सारनाथ की सुनहरी नीरवता तक, भारत की आध्यात्मिक आत्मा ने एक-एक तीर्थयात्री की भावना को उद्वेलित किया है। इस युग में पर्यटन, विवरण पुस्तिका (ब्रोशर) के ज़रिए नहीं, बल्कि भक्ति, स्मृति और फिर से जुड़ने की सभ्यतागत प्रेरणा के ज़रिए तैयार किया गया था।

2014 और 2024 के बीच, इस आध्यात्मिक जागृति ने देश के सांस्कृतिक मानचित्र को नया स्वरुप दिया। केदारनाथ, जो कभी त्रासदी का प्रतीक था, फ़ीनिक्स की तरह उभरा - 2024 में यहां 16 लाख से ज़्यादा तीर्थयात्री आये, जबकि एक दशक पहले यह संख्या केवल 4०,००० थी। उज्जैन को महाकाल के शहर के रूप में पुनर्जीवित किया गया, इसने 2024 में 7.32 करोड़ आगंतुकों का स्वागत किया। प्रकाश और पवित्रता में पुनर्जन्म लेने वाली काशी ने 11 करोड़ लोगों को अपनी पवित्र गलियों में भ्रमण करते देखा। बोधगया और सारनाथ की गूंज कई महाद्वीपों में सुनायी दी, दोनों तीर्थस्थलों ने 2023 में 3० लाख से ज़्यादा साधकों को आकर्षित किया।

और फिर एक ऐसा क्षण आया, जो आंकड़ों से पार चला गया -जनवरी 2024 में अयोध्या में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा। यह कोई उद्घाटन नहीं था; यह सभ्यता की धड़कन का जीर्णोद्धार था। महज छह महीनों में, 11 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं का आगमन हुआ -न सिर्फ देखने के लिए, बल्कि इससे जुड़ने के लिए। लगभग इतना ही ऐतिहासिक था, महाकुंभ 2025, जो दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक समागम था, जिसमें 65 करोड़ से ज्यादा तीर्थयात्री आस्था और उत्कृष्टता के संगम पर पहुंचे। अयोध्या और प्रयागराज, साथ मिलकर, भारत के आध्यात्मिक पुनर्जागरण के दो प्रकाश स्तंभ बन गए।

यह पर्यटन नहीं था-यह घर वापसी थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस वापसी को आकार, अवसंरचना और आत्मा दी गई। अब पर्यटन एक जांच सूची (चेकलिस्ट)-संचालित उद्योग नहीं रहा, बल्कि पवित्र स्व' को फिर से खोजने का एक राष्ट्रीय मिशन बन गया। प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी मंत्र - भारत में विवाह करें, भारत की यात्रा करें, भारत में निवेश करें - ने पर्यटन को एक सांस्कृतिक आह्वान में बदल दिया।

मोदी सरकार ने प्रारंभ से ही पर्यटन को राष्ट्रीय पुनरुत्थान की ताकत के रूप में देखा है। स्वदेश दर्शन और इसके उन्नत रूप, स्वदेश दर्शन 2.० के माध्यम से, पर्यटन मंत्रालय ने रामायण, बौद्ध, तटीय और आदिवासी जैसे विषयगत सर्किट के तहत 11० परियोजनाएँ विकसित कीं। 2014-15 में शुरू की गई मूल योजना में कुल 5,287.9० करोड़ रूपये की लागत से 76 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई थी। स्वदेश दर्शन 2.० में, स्थाई गंतव्यों को विकसित करने के लिए 2,1०6.44 करोड़ रूपये के साथ 52 परियोजनाएँ जोड़ीं गईं।

चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी) उप-योजना के तहत, 623.13 करोड़ रूपये की 36 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई, जबकि एसएएससीआई योजना के अंतर्गत राज्य के नेतृत्व में पर्यटन अवसंरचना के विस्तार के लिए 3,295.76 करोड़ रूपये की 4० परियोजनाओं को स्वीकृति दी गयी।

इसके साथ ही, प्रसाद योजना के जरिये उन्नत सुविधाओं, प्रकाश व्यवस्था और स्वच्छता के साथ 1०० तीर्थ शहरों को पुनर्जीवित किया गया। इन प्रयासों से भारत में 2023 में 25० करोड़ से अधिक घरेलू पर्यटकों की यात्रा दर्ज की गयी - जो अब तक का सबसे अधिक है।

2024-25 के केंद्रीय बजट में एक ऐतिहासिक घोषणा के तहत 5० पर्यटन स्थलों को विकसित करने का प्रस्ताव रखा गया, उन्हें निवेश और वित्तपोषण को आसान बनाने के लिए अवसंरचना सामंजस्य मास्टर सूची (आईएचएमएल) में जोड़ा गया।

पुनरुद्धार केवल पवित्र स्थानों तक सीमित नहीं था। 2018 में अनावरण की गई स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, देश के सबसे अधिक देखे जाने वाले स्मारकों में से एक बन गई, जिसे 2023 में 5० लाख से अधिक आगंतुक देखने आये। इसके चारों ओर इको-टूरिज्म पार्क, टेंट सिटी और आदिवासी संग्रहालय विकसित हुए हैं - जो सम्मान को अवसर में बदल रहे हैं।

भारत का सभ्यतागत आत्मविश्वास इसकी कूटनीति में परिलक्षित होने लगा। फ्रांस, जापान, यूएई, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया के राजनेताओं का, न केवल दिल्ली में, बल्कि वाराणसी, उदयपुर, अयोध्या और महाबलीपुरम में भी स्वागत हुआ। सॉफ्ट पावर अब सॉफ्ट नहीं रही - यह 3डी अनुभव हो गयी। रिवर क्रूज़, दीपोत्सव, आध्यात्मिक भ्रमण और सांस्कृतिक प्रदर्शन ने राजकौशल को आत्मा के शिल्प में बदल दिया।

इस बीच, अतुल्य भारत 2.० ने देश को स्मारकों की भूमि से बदलकर बदलाव की भूमि बना दिया। ऋषिकेश में योग, केरल में आयुर्वेद, पूर्वोत्तर में जनजातीय त्योहार और कच्छ में शिल्प ने पर्यटन इकोसिस्टम को जीवंत व विशिष्ट स्थान प्रदान किया। विपणन को अब स्मृति से अलग करना मुश्किल था।

इस क्षेत्र की आर्थिक स्थिति भी बहुत प्रभावशाली रही। अप्रैल 2००० से दिसंबर 2023 के बीच, भारत ने पर्यटन में 18 बिलियन डॉलर से अधिक का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित किया। प्रमुख आतिथ्य अवसंरचना परियोजनाओं में 2014-22 के दौरान 9 बिलियन डॉलर का निवेश हुआ। केवल 2023 में, भारत ने 9.52 मिलियन विदेशी पर्यटकों के साथ 2.31 लाख करोड़ रूपये (28.7 बिलियन डॉलर) की विदेशी मुद्रा अर्जित की, जिसमें पिछले वर्ष की तुलना में 47.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी। इस क्षेत्र ने 2023-24 में 84.63 मिलियन नौकरियों का सृजन किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 8.46 मिलियन अधिक थीं - इस प्रकार पर्यटन क्षेत्र भारत के विकास और रोज़गार की आधारशिला के रूप में उभरा।

पर्यटन एक संपूर्ण आयाम वाले मिशन के रूप में विकसित हुआ। एक विरासत अपनाएँ' योजना के तहत प्रमुख स्थलों का कॉर्पोरेट प्रबंधन शुरू हुआ, जबकि उड़ान योजना ने शिरडी, जीरो और मिनिकॉय जैसे दूर-दराज के स्थानों को हवाई मार्ग से जोड़ा। राष्ट्रीय डिजिटल पर्यटन मिशन ने टिकट बुकिंग, डेटा और यात्रा कार्यक्रमों का एक एकीकृत प्लेटफ़ॉर्म में एकीकरण करना शुरू किया।

पूर्वोत्तर- जो कभी उपेक्षित था- मुकुट के एक र प्रतिशत के रूप में उभरा। एक्ट ईस्ट नीति और अवसंरचना पर विशेष ध्यान की वजह से अरुणाचल, सिक्किम और मेघालय जैसे राज्यों में पर्यटकों का आगमन 2014 और 2022 के बीच दोगुना हो गया। जीवंत गांव कार्यक्रम ने किबिथु और माना जैसे दूरदराज के इलाकों को ऐसे गंतव्यों में बदल दिया, जहाँ देशभक्ति का मिलन प्रकृति और विरासत से होता है।

पर्यटन का विचार भी आकांक्षापूर्ण हो गया। भारत में विवाह, राजस्थान और गोवा जैसे विवाह केंद्रों के लिए प्रोत्साहन, अभियान और अवसंरचना के समर्थन में तब्दील हो गया। इस बीच, चिकित्सा और कल्याण पर्यटन के लिए 2022 में 6 लाख से अधिक विदेशी मरीज आये, जिससे भारत दुनिया के अग्रणी उपचार स्थलों में से एक बन गया।

2023 में भारत की जी-2० अध्यक्षता, सांस्कृतिक कूटनीति का एक उत्कृष्ट प्रदर्शन था। दिल्ली तक सीमित रहने के बजाय, खजुराहो से कुमारकोम तक 6० से अधिक गंतव्यों में वैश्विक कार्यक्रमों की मेजबानी हुई, जिनमें से प्रत्येक को स्थानीय कला, खान-पान और विरासत के साथ तैयार किया गया था। दुनिया भारत के साथ सिर्फ़ संवाद नहीं कर रही थी - बल्कि इसे अनुभव भी कर रही थी।

लेकिन आंकड़ों के पीछे, असली परिवर्तन आध्यात्मिक था। भारत ने दुनिया से अपने स्मारकों को देखने के लिए अनुरोध करना बंद कर दिया। देश ने अपनी यादों को महसूस करने, अपनी शांति में स्वस्थ होने और अपनी विविधता का जश्न मनाने के लिए पूरी दुनिया को आमंत्रित किया।

इस नए भारत में, पर्यटन मौसमी नहीं है - यह सभ्यतागत है। यह वह स्थल है, जहाँ दर्शन का विकास से, जहाँ तीर्थयात्रा का प्रगति से और जहाँ त्योहार का अवसंरचना से मिलन होता है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, भारत ने दुनिया का सिर्फ़ स्वागत नहीं किया - बल्कि उसे गले लगाया।

जैसे भिक्षु बोधि वृक्ष की परिक्रमा करते हैं, जैसे तीर्थयात्री केदारनाथ की ठंडी हवा में मंत्रोच्चार करते हैं, जैसे दुल्हनें महलनुमा गुंबदों के नीचे विवाह करती हैं और जैसे सीमावर्ती गाँव उत्सुक यात्रियों की मेजबानी करते हैं, एक सच्चाई हर पवित्र मार्ग और शांत गलियारे में गूंजती है- भारत केवल एक गंतव्य नहीं है, जहाँ की आप यात्रा करते हैं - यह एक ऐसा देश है, जहाँ आप कुछ शाश्वत की तलाश में बार-बार वापस आते हैं।

केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री, भारत सरकार

सू- दोकू क्र.98

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.97 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

युद्ध की भूमिका बना रहे आतंकी

मणिपुर में सुरक्षा बलों ने पांच घाटी जिलों में छापामारी कर तीन सौ राइफलें व अन्य हथियार बरामद किए। इसके साथ ही जबरन वसूली करने वाले प्रतिबंधित संगठनों के पांच उग्रवादियों को भी गिरफ्तार किया।

मणिपुर पुलिस, सीआरपीएफ, सेना व असम राइफल्स की संयुक्त टीम ने विस्फोटकों व अन्य युद्ध सामग्री बरामद की।

इसमें 151 एसएलआर राइफलें, 65 इंसास राइफलें, 73 अन्य प्रकार की राइफलें, बारह हल्की मशीन गनें, पांच कार्बाइन गन, दो एमपी-5 गन, छह एके सीरीज राइफलें, दो अमोघ राइफल, एक मोर्टार, छह पिस्तौलें, दो फ्लेयर बंदूकें, दस ग्रेनेड, सात डेटोनेटर व एक एआर-15 समेत कुल 328 बंदूकें व राइफलें बरामद कीं।

यह खुफिया ऑप्रेशन मणिपुर में समान्य स्थिति बहाल करने, सार्वजनिक व्यवस्था कायम करने, नागरिकों व उनकी संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयासों के लिहाज से किया गया।

राज्य की पुलिस ने आम जनता से व्यवस्था बनाए रखने के लिए अपील की है कि वे सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि या अवैध हथियारों से जुड़ी सूचना तत्काल नजदीकी पुलस स्टेशन या केंद्रीय निरीक्षण केंद्र को राज्य में सामान्य देने की अपील की है। जब्त किया गया जखीरा देख कर कहा जा सकता है कि आतंकी युद्ध की भूमिका बना रहे हैं।

उनका असल मकसद कुकी व मैतई विद्रोह के बीच फायदा उठाकर राज्य में अमन-चैन तबाह करना है। राज्य की सार्वजनिक व्यवस्था सुचारू बनाने व सामान्य स्थिति बहाल करने के सरकारी प्रयास जारी हैं। लंबे अरसे से संघर्षरत राज्य में आम जन-जीवन बुरी तरह प्रभावित है। बड़ी संख्या में लोग पड़ोसी राज्यों में पलायन कर चुके हैं। रोजगार व आमदनी के साधन चरमरा चुके हैं। घर, दुकान, प्रतिष्ठानों कों बहुत क्षति पहुंची है।

इतनी बड़ी संख्या में हथियारों की बरामदगी आतंकियों/ उपद्रवियों के इरादों की द्योतक है। मगर सवाल यह भी है कि चाक-चौबंद सुरक्षा-व्यवस्था व मुस्तैदी के दरम्यान ये अवैध हथियार कैसे राज्य की सीमा के भीतर पहुंच रहे हैं। सीमाओं पर सख्ती के अतिरिक्त घाटी वाले इलाकों पर सतर्कता जरूरी है। राजनीति से इतर इस संघर्ष को रोकने के तत्काल प्रयास बेहद जरूरी हैं। केंद्र द्वारा की जाने वाली उपेक्षा को लेकर पूर्वोत्तर राज्य हमेशा त्योरियां चढाये रहते हैं। इस पर विचार किया जाना चाहिए। इन छोटे राज्यों के विकास और स्थानीय युवाओं को राजगार देने जैसी मूल दिक्कतों का निस्तारण करने में लापरवाही हमेशा नकारात्मक नतीजे ही देने वाली साबित होगी।(आरएनएस)

वरिष्ठ नागरिकों की समस्याएं सुनेंगे जिलाधिकारीः मुख्यमंत्री

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सभी जनपदों के जिलाधिकारी वरिष्ठ नागरिकों की समयाएं सुनेंगे और उनका निस्तारण करेंगे।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि सरकार वरिष्ठ नागरिकों को गरिमा और संरक्षण प्रदान करने के लिए प्रति प्रतिबद्ध है, इसी क्रम में जिलाधिकारियों को वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए जिला स्तरीय अपीलीय अधिकरण का पीठासीन अधिकारी बनाते हुए, उन्हें संबंधित शिकायतों का निस्तारण करने को कहा गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए लागू 'माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण पोषण और कल्याण अधिनियम 2007 को प्रभावी ढंग से अमल में लाया जाए। यह अधिनियम वरिष्ठ नागरिकों एवं माता-पिता को उनके बच्चों, बालिक पोते-पोतियों अथवा संपत्ति के उत्तराधिकारियों से भरण-पोषण की वैधानिक व्यवस्था प्रदान करता है। इस कानून को अमल में लाने के लिए राज्य में जिला स्तर पर कुल 13 अपीलीय भरण-पोषण अधिकरण एवं सब डिविजन स्तर पर 69 से अधिक भरण-पोषण अधिकरण कार्यरत हैं। जहां भरण-पोषण की राशि अधिकतम 10 हजार रूपये प्रति माह निधर्रित की जा सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला स्तरीय अपीलीय अधिकरण के पीठासीन अधिकारी जिला मजिस्ट्रेट हैं, इसलिए उन पर इस कानून को सख्ती से अमल में लाते हुए, वरिष्ठ नागरिकों को न्याय दिलाने की जिम्मेदारी है। साथ ही तहसील स्तर पर उपजिलाधिकारी भरण पोषण संबंधित अधिकरण के पीठासीन अधिकारी और जिला समाज कल्याण अधिकारी पदेन भरण-पोषण अधिकारी के रूप में जिम्मेदार बनाए गए हैं। संपत्ति हस्तांतरण में सुरक्षा प्रावधान कानून के तहत यदि कोई वरिष्ठ नागरिक देखभाल की शर्त पर संपत्ति हस्तांतरित करता है, लेकिन इसके बाद तय शर्तें पूरी नहीं होतीं, तो अधिकरण उस हस्तांतरण को अमान्य घोषित करते हुए, संपत्ति की वापसी सुनिश्चित कर सकता है। बागेश्वर, चमोली एवं उत्तरकाशी जिलों में निशुल्क वृद्ध एवं निशक्तजन आवास गृह संचालित किए जा रहे हैं। जहां कई जरूरतमंद वरिष्ठ नागरिक निवासरत हैं। राज्य में वरिष्ठ नागरिक कल्याण परिषद का गठन करते हुए रामचंद्र गौड़ को अध्यक्ष, तथा श्रीमती शांति मेहरा, नवीन वर्मा, और हरक सिंह नेगी को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उत्तराखंड सरकार अपने वरिष्ठ नागरिकों के प्रति पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। वरिष्ठ नागरिकों से विनम्र अपील है कि यदि आप जीवन-यापन हेतु उपेक्षित महसूस करते हैं, तो अविलंब अपने नजदीकी भरण-पोषण अधिकरण अथवा जिला समाज कल्याण अधिकारी से संपर्क करें।

72 घंटे में दी जाए अहेतुक सहायता

संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने कहा कि आपदा प्रभावितों को 72 घंटे में अहेतुक सहायता उपलब्ध करायी जाये। आज यहां मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने आपदा प्रभावितों को अहेतुक सहायता वितरित करने में विलंब न करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रभावित को हर हाल में 72 घंटे के भीतर अहेतुक सहायता उपलब्ध करा दी जाए। साथ ही उन्होंने आपदा में क्षतिग्रस्त संपत्ति के नुकसान का सर्वे भी शीघ्रता से करने के निर्देश दिए ताकि प्रभावित लोगों को जल्द से जल्द सहायता मिल जाए और वह दोबारा सामान्य जीवन की ओर अग्रसर हो सकें।

प्राकृतिक आपदा से प्रभावित 2853 परिवारों का किया पुनर्वासः सुमन

संवाददाता

देहरादून। सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने बताया कि राज्य में वर्ष 2012 से वर्तमान में प्राकृतिक आपदा से प्रभावित कुल 258 ग्रामों के 2853 परिवारों का पुनर्वास किया गया।

आज यहां सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने बताया कि राज्य में वर्ष 2012 से वर्तमान में प्राकृतिक आपदा से प्रभावित कुल 258 ग्रामों के 2853 परिवारों का पुनर्वास किया गया। विस्थापन हेतु कुल बजट प्राविधान 20.00 करोड़ रुपये है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में आपदा प्रभावित ग्रामों के पुनर्वास/विस्थापन हेतु कुल बजट प्राविधान रूपये बीस करोड़ के सापेक्ष वर्तमान तक 24 ग्रामों के कुल 337 आपदा प्रभावित परिवारों के पुनर्वास/विस्थापन हेतु कुल रू0 12,16,70,300 रूपये की धनराशि निर्गत की गयी है। उन्होंने बताया कि राज्य आपदा मोचन निधि तथा राज्य सेक्टर से कुल 175.50 करोड़ रुपये की धनराशि आवंटित की जा चुकी है। राज्य आपदा मोचन निधि से जनपदों को कुल 165 करोड़ की धनराशि आवंटित की गई है।

रेडक्रॉस की आपदा राहत सामग्री वाहनों को राज्यपाल ने दिखाई हरी झंडी

❑नि:स्वार्थ भाव से मानवता की सेवा करता है रेडक्रॉसः राज्यपाल

संवाददाता

देहरादून। आपदा राहत सामग्री वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) ने कहा कि रेडक्रॉस नि:स्वार्थ भाव से मानवता की सेवा करता है।

आज यहां राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) ने राजभवन परिसर से राज्य के सभी जनपदों हेतु भारतीय रेडक्रॉस समिति, नई दिल्ली द्वारा उपलब्ध कराई गई आपदा राहत सामग्री वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। आपदा राहत सामग्री के 05 वाहनों में कम्बल, तिरपाल, किचेन सेट और अन्य जरूरी सामान है, जो जरूरतमंदों को जरूरत के समय सम्बंधित जिलों की रेडक्रॉस सोसाइटी द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि यह मानवीय सहायता का एक महत्वपूर्ण पहलू है, जो आपदा के समय राहत पहुंचाने में अत्यंत सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड जैसे भौगोलिक दृष्टि से संवेदनशील राज्य में रेडक्रॉस समिति की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने कहा कि रेडक्रॉस एक ऐसी संस्था है जो नि:स्वार्थ भाव से जरूरतमंदों की सहायता करती है। यह संस्था मानवता-आधारित सेवा के लिए जानी जाती है और इसके वॉलेंटियर्स निरंतर नि:स्वार्थ भाव से सेवा में जुटे रहते हैं। राज्यपाल ने रेडक्रॉस के सभी पदाधिकारियों से अनुरोध किया कि वे इस राहत सामग्री को प्रदेश के सभी जनपदों की जिला रेडक्रॉस समितियों के माध्यम से उचित पात्रों तक सुनिश्चित रूप से पहुंचाएं, ताकि इसका समुचित उपयोग हो और यह वास्तव में जरूरतमंदों तक पहुंचे। राज्यपाल ने सभी रेडक्रॉस वॉलेंटियरों के प्रति आभार प्रकट किया। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक संख्या में रेडक्रॉस से जुड़ने का आह्वान किया। इस अवसर पर चेयरमैन मैनेजिंग कमेटी, भारतीय रेडक्रॉस समिति उत्तराखण्ड डॉ. नरेश चौधरी, वाईस चेयरमैन मैनेजिंग कमेटी भारतीय रेडक्रॉस समिति उत्तराखण्ड डॉ. आनन्द भारद्वाज, सदस्य मैनेजिंग कमेटी, जनपद देहरादून डॉ. मनोज वर्मा, सीएमओ मनोज शर्मा, सदस्य मैनेजिंग कमेटी मोहम्मद ओबेदुल्ला अंसारी, चिकित्साधिकारी राजभवन डॉ. महावीर त्यागी एवं डॉ. ए.के. सिंह सहित रेडक्रॉस समिति के वॉलेंटियर उपस्थित रहे।

सचेत ऐप 112, 1070, 1077 सभी के फोन में होना आवश्यक

संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने कहा कि सचेत ऐप 112, 1070, 1077 सभी के सभी के फोन में होना आवश्यक है जिससे आपदा पीडित सम्पर्क कर सके। आज यहां मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने कहा कि सचेत एप आपदाओं से बचाव की दिशा में काफी मददगार साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसा ऐप है, जिसमें न सिर्फ मौसम तथा बारिश के एलर्ट प्राप्त होते हैं बल्कि आपदाओं से बचाव की भी जानकारी प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने राज्य के सभी नागरिकों से इस एप को डाउनलोड करने की अपील की है। साथ ही उन्होंने सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन को ईआरएसस 112, 1070, 1077 का व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ये तीन नंबर सभी लोगों के फोन में होने चाहिए ताकि आपदा के समय या किसी मुश्किल घड़ी में लोग इन नम्बरों पर कॉल कर मदद मांग सकें।

आपदाओं से उत्पन्न स्थिति के निराकरण संबंधी बैठक आयोजित

हमारे संवाददाता

टिहरी। जिला कलेक्ट्रेट के वीसी कक्ष में आज जिलाधिकारी टिहरी नितिका खण्डेलवाल एवं विधायक टिहरी किशोर उपाध्याय की उपस्थिति में नई टिहरी एवं निकटवर्ती क्षेत्रों में आपदाओं से उत्पन्न स्थिति के समाधान हेतु बैठक आहूत की गई। इस मौके पर जलभराव के समाधान, नालों की सफाई, पुश्तों की चैकिंग, कंस्ट्रक्शन एण्ड डेमोलिशन वेस्ट (सी एण्ड डी) के निस्तारण हेतु डम्पिंग जोन आदि विषयों पर चर्चा करते हुए बरसात के दृष्टिगत प्राथमिकता तय कर कार्य करने के निर्देश दिये गये।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि जलभराव की एक बड़ी समस्या लोगों द्वारा निर्माण कार्यों के बाद शेष सामग्री को ऐसे ही छोड़ दिया जाना भी है, जिससे नालियां चौक हो जाती है। उन्होंने इस संबंध में वृहत् चालानी कार्यवाही करने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिये। इसके साथ ही संवेदनशील पुश्तों को चिन्हित करने, आन्तरिक सड़कों पर जल निकासी का प्लान बनाने, परिसम्पित्तियों की सुरक्षा के दृष्टिगत नालियों को खुलवाने, सी एण्ड डी वेस्ट के निस्तारण हेतु डम्पिंग जोन चिन्हित करने हेतु एडीएम की अध्यक्षता में गाइडलाइन के अनुसार कलस्टर वाइज प्रबन्धन कार्य करने को कहा गया। जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियन्ता लोनिवि को आन्तरिक सड़कों को अपने नियंत्रण में लेने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। उन्होंने बताया कि आंचल डेरी के ऊपर आपदा से आये मलवे का साफ कर लिया गया है।

इस मौके पर क्षेत्रीय विधायक ने नई टिहरी शहर में जलभराव की समस्या का प्राथमिकता पर निस्तारण करने हेतु जलभराव वाले स्थलों को चिन्हित कर जल निकासी की व्यवस्था करने, परिसम्पत्तियों का रख-रखाव, एनएच के चॉक हुए प्वाइंट्स खुलवाने, नालियों की सफाई करने को कहा गया, ताकि बरसात में किसी को कोई असुविधा न हो तथा किसी तरह की जानमाल को क्षति न पहुंचें। उन्होंने नई टिहरी शहर की दशा-दिशा सुधारने एवं सुनियोजित शहर बनने को लेकर पुनः बैठक आयोजित करने की बात कही।

नगरपालिका अध्यक्ष नई टिहरी मोहन सिंह रावत ने शहर की समस्याओं से अवगत कराते हुए शहर में नई नालियों का सृजन करने, पेयजल पाइप लाइनों के जाल को व्यवस्थित करने, नगरपालिका में संसाधनों की कमी के चलते जरूरत पड़ने पर संबंधित विभागों द्वारा जेसीबी/वाहन व्यवस्था करने, आन्तरिक सड़कों को संबंधित विभाग को हेण्डओवर करने की बात कही। बैठक में एडीएम ए.के. सिंह, एसडीएम संदीप कुमार, ईई लोनिवि योगेश कुमार, मण्डल अध्यक्ष विजय कठैत सहित टीएचडीसी, जल संस्थान, नगरपालिका के अधिकारी एवं अन्य संबंधित उपस्थित रहे।

हिमाचल प्रदेश जाएगा यूएसडीएमए का विशेषज्ञ दल

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का एक विशेषज्ञ दल हिमाचल में अतिवृष्टि से निपटने के लिए शासन प्रशासन द्वारा किये जा रहे कार्यो को देखने व उनका अध्ययन करने के लिए जाएगा।

आज यहां उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का एक विशेषज्ञ दल हिमाचल प्रदेश में अतिवृष्टि के चलते उत्पन्न स्थितियों तथा इन हालातों से निपटने के लिए हिमाचल में शासन-प्रशासन द्वारा किए जा रहे कार्यों को देखने तथा उनका अध्ययन करने के लिए जाएगा। मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन को इसके निर्देश दिए हैं। उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण स्थित राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र में प्रदेश में वर्षा से उत्पन्न स्थिति की समीक्षा के दौरान मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने कहा कि उत्तराखण्ड और हिमाचल प्रदेश न सिर्फ पड़ोसी राज्य हैं, बल्कि दोनों प्रदेशों की भौगोलिक

परिस्थितियां भी एक जैसी हैं। इस वर्ष हिमाचल प्रदेश में बारिश से काफी नुकसान हुआ है। इन स्थितियों से निपटने के लिए हिमाचल प्रदेश में किस प्रकार आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में कार्य किया जा रहा है, शासन-प्रशासन द्वारा किस तरह इन स्थितियों में प्रतिक्रिया की जा रही है, इसे जानने और समझने की आवश्यकता है ताकि अगर ऐसे ही हालात उत्तराखण्ड में भी उत्पन्न हों तो हिमाचल के अनुभवों के आधार पर एक प्रभावी रणनीति बनाई जा सके।

मुख्य सचिव आनंद वर्द्धन ने राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र पहुंचकर प्रदेश में हो रही वर्षा से उत्पन्न स्थिति की जानकारी ली तथा आपदा प्रबंधन विभाग के अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने वर्तमान में प्रदेश में मानसून की स्थिति, आने वाले दिनों में मौसम का पूर्वानुमान, अब तक हुई बारिश तथा प्रदेश भर में भूस्खलन के चलते बंद सड़कों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि बंद सड़कों को जल्द से जल्द खोलने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। भूस्खलन संभावित क्षेत्रों में सभी आवश्यक संसाधन तथा

❑मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने सचिव आपदा प्रबंधन को दिए निर्देश

उपकरण तैनात किए जाएं। यह सुनिश्चित किया जाए की 15 मिनट के भीतर जेसीबी तथा अन्य सभी आवश्यक उपकरण घटनास्थल पर पहुंच जाए। उन्होंने ग्रामीण सड़कों को भी तत्परता के साथ खोलने के निर्देश दिए।

सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने बताया कि देहरादून, नैनीताल तथा बागेश्वर में मौसम विभाग द्वारा ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। सात दिवसीय पूर्वानुमान के अनुसार सभी जनपदों में आज से येलो अलर्ट है। उन्होंने बताया कि जून में सामान्य से कम बारिश हुई थी, जबकि जुलाई में सामान्य से अधिक वर्षा का पूर्वानुमान व्यक्त किया गया है। पूरे मानसून सीजन में सामान्य से 108 फीसदी अधिक वर्षा का पूर्वानुमान व्यक्त किया गया है। उन्होंने बताया कि अभी तक प्रदेशभर में 317.1 मिमी बारिश हुई है। सबसे अधिक बागेश्वर में 765.5, चमोली में 428.2, रुद्रप्रयाग 388.8 तथा देहरादून 380.4 मिमी बारिश हो चुकी है।

इस अवसर पर सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रशासन आनंद स्वरूप, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी क्रियान्वयन डीआईजी राजकुमार नेगी, संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी मोहम्मद ओबैदुल्लाह अंसारी, ड्यूटी आफिसर उप सचिव आलोक कुमार, यूएसडीएमए के विशेषज्ञ मनीष भगत, रोहित कुमार, डॉ. पूजा राणा, डॉ, वेदिका पंत, हेमंत बिष्ट तथा सुश्री तंद्रीला सरकार आदि उपस्थित थे।

डीएम के निर्देश, क्यूआरटी टीमें जल भराव क्षेत्रों का करें नियमित निरीक्षण

संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बंसल के सख्त निर्देश त्वरित प्रतिक्रिया दलों को जलभराव वाले क्षेत्रों का निरीक्षण करने, समस्या की पहचान और समाधान के लिए त्वरित कार्रवाई करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

आज यहां जिलाधिकारी सविन बंसल ने मानसून अवधि के दौरान नगर निगम क्षेत्रों में जलभराव की समस्या से निपटने के लिए नगर मजिस्ट्रेट प्रत्यूष सिंह, एसडीएम हरिगिरी और एसडीएम कुमकुम जोशी की अध्यक्षता संबंधित विभागों के सहयोगी अधिकारियों को शामिल करते हुए त्वरित प्रतिक्रिया टीमों (क्यूआरटी) का गठन किया गया है। डीएम के हैं सख्त निर्देश त्वरित प्रतिक्रिया दलों को जलभराव वाले क्षेत्रों का निरीक्षण करने, समस्या की पहचान और समाधान के लिए त्वरित कार्रवाई करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। ताकि आम लोगों को जल भराव से परेशानी का सामना न करना पड़े। जिलाधिकारी ने क्यूआरटी में नामित सभी अधिकारियों को मानसून अवधि के दौरान उनको आवंटित स्थानों पर जल निकासी में व्यवधान व चोकिंग पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई करने और चिन्हित क्षेत्रों में स्थित नाले-नालियों की साफ-सफाई की वस्तुस्थिति का भौतिक सत्यापन करने के निर्देश जारी किए है।

उत्तराखण्ड के सबसे बड़े गैंगस्टर चीनू गैंग के दो बदमाश गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। उत्तराखण्ड सहित कई राज्यों में सक्रिय कुख्यात चीनू पंडित गैंग के दो बदमाशों को एसटीएफ द्वारा देहरादून के प्रेमनगर क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया गया है। जिनके पास से तीन पिस्टल, एक तमंचा व कारतूस बरामद किये गये है। आरोपी जनपद हरिद्वार में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ नवनीत सिंह भुल्लर ने बताया कि हरिद्वार की रूडकी उपकारागार में कुख्यात अपराधी विनीत शर्मा उर्फ चीनू पण्डित पुत्र सुदेश शर्मा निवासी पश्चिमी अम्बर तालाब थाना गंगनहर जनपद हरिद्वार जो पिछले कई वर्षो से जेल में बंद है। जिस पर हत्या एवं हत्या का प्रयास, अपहरण जैसे जघन्य अपराधों के लगभग 30 से अधिक मुकदमें दर्ज है। जो आपराधिक पृष्ठभूमि और आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहते हुये आपराधिक गैंग को

❑तीन पिस्टल, एक तमंचा व कारतूस बरामद

संचालित करता है।

बताया कि वर्ष 2014 में रूडकी उपकारागार के बाहर हुये गैंगवार में चीनू पण्डित गैंग के 3 व्यक्तियों की हत्या हो गयी थी। जिसका बदला चीनू पण्डित द्वारा निकट भविष्य में अपने गैंग के माध्यम से लेने की गोपनीय सूचना विश्वसनीय सूत्रो से मिली थी। जिस कारण एसटीएफ विगत वर्ष से इस गैंग के सदस्यों की जानकारियां जुटा रही थी।

इस बीच बीते रोज एसटीएफ को सूचना मिली कि चीनू पण्डित पैराल में जेल से बाहर आने वाला है और अपने गैंग के सदस्यों के साथ मिलकर किसी बड़ी घटना को अंजाम देने वाला है। जिसके लिए शूटर एवं हथियारों का प्रबन्ध किया जा रहा है।

बताया कि बीती रात एक सूचना के बाद एसटीएफ द्वारा बीती रात 2 बदमाशों को प्रेमनगर जनपद देहरादून क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। जिनके पास से तीन पिस्टल, एक तमंचा व कारतूस बरामद हुए है।

गिरफ्तार बदमाशों के नाम समर्थ पंवार उर्फ सागर पुत्र घनश्याम सिंह पंवार निवासी वी-86 हकीकत नगर थाना सदर सहारनपुर हॉल निवासी किरायेदार हरीश पाल लेन नं. 3 अलकनन्दा एन्क्लेव ठाकुरपुर रोड़ प्रेमनगर व संजय नेगी पुत्र सरपंच नेगी निवासी ग्राम धारकोट पट्टी जाखनीधार थाना लम्बगाँव टिहरी बताये जा रहे है।

कावड़ यात्रा मार्गों पर मांस व शराब पर पूर्ण प्रतिबंध

विशेष संवाददाता

देहरादून। कावड़ियों की आस्था आहत न हो इसलिए राज्य सरकार द्वारा अब कावड़ यात्रा मार्गों पर मांस और शराब की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। सभी कावड़ यात्रा मार्गों पर मांस और शराब की दुकान बंद रखी जाएगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज इस आशय की जानकारी देते हुए कहा गया है कि कांवड़ियों की सहूलियत और सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि यात्रा मार्गों पर सुरक्षा के कड़े प्रबंध करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं। सरकार द्वारा जो नियम बनाए गए हैं उनका सख्ती से पालन किया जाए और जो नियमों के विरुद्ध

❑कांवड़ियों की हर सुविधा का ख्याल रखा जाएगा, अधिकारियों को नियमों का पालन सुनिश्चित करने के दिये निर्देश

काम करते पाया जाए उसमें खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। उल्लेखनीय है कि पहले सरकार द्वारा कावड़ यात्रा मार्गों पर सिर्फ मांस की दुकानों को बंद रखने की बात कही गई थी जबकि शराब की दुकानों और बोर्डो को ढकने के आदेश दिए गए थे लेकिन अब मांस और शराब की बिक्री पर पूरी तरह से पाबंदी लगा दी गई है।

2 दिन बाद यानी 11 जुलाई से शुरू होने जा रही इस कावड़ यात्रा के लिए कई प्रदेशों और जिलों के प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा समन्वित प्रयास किए जाते हैं। क्योंकि कावड़ यात्रा में देश के कई प्रदेशों के श्रद्धालु कावड़ लेने आते हैं। इसके लिए यात्रा के दौरान कावड़ियों की बड़ी संख्या के मद्देनजर व्यापक स्तर पर प्रबंध किए जाते हैं। बीते साल 4 करोड़ कांवड़िये यात्रा पर आए थे जिनकी संख्या इस बार इससे अधिक रहने की उम्मीद जताई जा रही है। सुरक्षा के मद्देनजर स्थानीय पुलिस बलों के अतिरिक्त अन्य सुरक्षा बलों की तैनाती भी की गई है तथा एटीएस को सुरक्षा के काम में लगाया गया है। मुख्यमंत्री धामी का कहना है कि यात्रा की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। कांवड़ियों की सुरक्षा से लेकर उनके सम्मान में किसी भी तरह की कमी नहीं रखी जाएगी। कांवड़ियों के रूट प्लान से लेकर उनके खान पान तक की उचित व्यवस्था की जाएगी। यात्रा मार्गों पर खाद्य पदार्थ विक्रेताओं के लिए अलग से एसओपी जारी की गई है। जिससे खाद्य पदार्थों की पवित्रता का ध्यान रखा जा सके।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।